[Shri S. S. Kothari]

I have indicated the various functions that should be allocated to the Tariff Commission and if that is done, I think that this expert body which is a national institution of importance would be of greater help and benefit to the country ; if in the exercises for in determining the costs of commodities.

SHRI JYOTIRMOY BASU : It is a great protector of monopolists.

SHRI S. S. KOTHARI : Its great potentialities should in my opinion be properly utilised. Therefore, the Tariff Commission should be given its due importance. If the staff needs to be strengthened, then that should be done. If some cost accountants or chartered accountants have to be added to the staff of the Tariff Commission that should also be done. The functions of the Tariff Commission should be enlarged so that as the ARC has recommended, it becomes in effect a commission on costs, prices and tariffs.

SHRI JYOTIRMOY BASU : Cocoons do not produce tycoons, but the tycoons have grown very well.

15.14 hrs.

RE. ARREST OF SOME MEMBERS

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) सभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं । अभी-अभी लोक सभा के सामने शान्तिमय जलूस पर जिस में नवयुवक विद्यार्थी पूरे देश से आए हुए थे, बर्बर पुलिस के लोगों ने लाठी चार्ज किया है । महिलाओं के कपड़े फ़ाड़े गए हैं । उनकी मांग क्या थी ? उन की मांग थी कि अठारह साल उम्र के लोगों को वोट का हक दिया जाए । उनकी मांग थी कि बेकारों को भत्ता दिया जाए । इस सरकार ने दो मापदंड अपना रखे हैं । इन्दिरा जी के समर्थन में जब प्रदर्शन किया जाता है तब सरकार को धारा 144 से कोई मतलब नहीं रहता है, उस प्रकार का प्रदर्शन पुलिस के साये के नीचे होता है लेकिन दूसरा प्रदर्शन जो शान्तिमय ढंग से भी हो रहा होता है, उसको आगे आने नहीं दिया जाता है, उन प्रदर्शनकारियों के साथ इस प्रकार का बर्बर व्यवहार किया जाता है । सदस्यों तक से दुर्व्यवहार किया गया है ।

सभापति महोदय : आपने अपनी बात रख दी है ।

श्री राम सेवक यादव : मैं एक मिनट में खत्म कर रहा हूं । एक सरदार लड़का है उसको बहुत बुरी तरह से चोट आई है । पुलिस बहुत ज्यादती कर रही है । धारा 144 नहीं रहनी चाहिये । लोगों को शान्तिमय ढंग से प्रदर्शन करने की इजाजत होनी चाहिये । जिन्दाबाद सुनने को प्रधान मंत्री को शौक रहता है, अपने समर्थन में बातें सुनने का प्रधान मंत्री को शौक रहता है तो लोगों की जो न्यायोचित मांगें हैं, उनको भी तो उनको सुनना चाहिये । इस तरह से जो लोग लोक सभा के सामने अपनी मांग ले कर आयें, उन पर पुलिस द्वारा लाठी-प्रहार, उन के साथ ज्यादती और बुरा बर्ताव बहुत ही निन्दनीय है । मैं चाहूंगा कि सरकार इस पर बयान दे, गिरफ्तार किये हुए विद्यार्थियों को तत्काल छोड़ा जाये और उन पर जो लाठी-चार्ज किया गया है, उस की न्यायिक जांच हो । आप मंत्री महोदय को इस बारे में बयान देने के लिए कहें (**व्यवधान**)

श्री जार्ज फ़रनेन्डीज : (बम्बई दक्षिण) : दफा 144 को हमेशा के लिए हटा दिया जाये । (**व्यवधान**)

श्री रवि राय : (पुरी) : एक महीना पहले प्रधान मंत्री की तारीफ करने के लिए लोक सभा के सामने एक जलूस आया था और उन लोगों को इजाजत दे दी गई थी, जब कि हम लोगों को नहीं दी गई है । यह एक महत्वपूर्ण सवाल है । जो लाठी-चार्ज हुआ है, उस की जांच की जाये । (**व्यवधान**) ।

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : (इटावा) : सभापति महोदय, मैं एक नई जानकारी देना चाहता हूं । **(व्यवधान)**

सभापति महोदय : : आप की पार्टी के नेता और उपनेता दोनों ने इस बात को हाउस के सामने रख दिया है । इस बात रिकार्ड पर चली गई है और अब वह हाउस और मिनिस्टर्ज के सामने है । **(व्यवधान)**

श्री राम सेवक यादव : लोक सभा के सदस्य, श्री जनेश्वर मिश्र, को पीटा गया है, उन को गिरफ्तार किया गया है ।

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : : अभी मैं वहां से आ रहा हूं । हम ने इस बात पर एतराज किया कि इस तरह से.....

सभापति महोदय : मैं एलाऊ नहीं करता हूं । मैं ने माननीय सदस्यों की बात सुन ली है । अगर माननीय सदस्य इस तरह बोलेंगे, तो वह रिकार्ड पर नहीं जायेगा । रिकार्ड न किया जाये ।

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : **

सभापति महोदय : हो गई बात । आप के नेता ने यह बात सदन के सामने रख दी है । आप को-आपरेट कीजिए ।—श्री महीडा । **(व्यवधान)**

श्री राम सेवक यादव : चूंकि इस सदन के एक सम्मानित सदस्य, श्री जनेश्वर मिश्र, को पीटा गया है और गिरफ्तार किया गया है, इस लिए मैं निवेदन करना चाहता हूं कि संसद-कार्य मंत्री, श्री रघु रामैया, इस बारे में तत्काल जानकारी दें कि उन को कहां चोट आई है । **(व्यवधान)**

सभापति महोदय : आपने अपनी बात कह दी है । वह रिकार्ड पर आ गई है । **(व्यवधान)**

श्री रवि राय : वह कैसे गिरफ्तार हुए, उन को चोटें लगी है या नहीं, मंत्री महोदय इस बारे में बयान दें । **(व्यवधान)**

सभापति महोदय : मंत्री महोदय आप की बात सुन रहे हैं । आप ने जो बात कही है, वह हाउस के सामने आ गई है, रिकार्ड पर आ गई है । श्री महीडा **(व्यवधान)**

श्री मोलहू प्रसाद (बांसगांव) : संसद-कार्य मंत्री को इस बारे में जानकारी देनी चाहिए । **(व्यवधान)**

श्री रामसेवक यादव : आप इतना कह दें कि मंत्री महोदय आध घंटे में इस सदन को इस बारे में जानकारी दे दें । **(व्यवधान)**

सभापति महोदय : : यह बात रिकार्ड पर आ गई है । **(व्यवधान)**

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : **

सभापति महोदय : : यह रिकार्ड पर नहीं आयेगा ।—श्री महीडा ।

15.18 hrs.

INDIAN TARIFF (AMENDMENT) BILL—Contd.

SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA (Anand) : Before I begin my speech, may I draw your attention to the convention that Opposition Members while they are sitting on the Treasury Benches should not address the Chair ? They should go to their seats and then address the Chair.

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar) : What is the latest position ? Where is the hon. Member now ?

SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA : I am here.

SHRI KANWAR LAL GUPTA What about tomorrow ?

SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA : I shall always be here. Let not my hon. friend worry about it.

**Not recorded.